

B.Ed. SPECIAL EDUCATION (BEDSE)

Term-End Examination

December, 2014

**MMDE-033 : IDENTIFICATION AND
ASSESSMENT OF PERSONS
WITH MENTAL RETARDATION**

Time : 2 hours

Maximum Marks : 50

*Note : All questions are compulsory. Marks have been
allotted against each section.*

SECTION - I

Answer all the following questions : 2x5=10

1. Define maladaptive behaviour.
2. What is the difference between goals and objectives ?
3. List the various levels according to current educational classification of mental retardation.
4. List the various domains listed in FACP.
5. What is the difference between guidance and counselling ?

SECTION - II

Answer **any four** of the following questions : $5 \times 4 = 20$

6. Explain the various prenatal procedures used for medical screening and diagnostic purpose.
7. Define assessment. Explain the role of psycho-educational assessment in the field of mental retardation.
8. List with examples the various types of maladaptive behaviours seen in children with mental retardation.
9. Explain the social and emotional reactions of parents when they came to know that their child is having mental retardation.
10. Explain the various schemes which are supported under the 'National Trust Act'.
11. Explain the functions of RCI.

SECTION - III

Answer the following questions : $10 \times 2 = 20$

12. Explain in detail the various ways of recording the assessment and evaluation data of children with mental retardation.

OR

Explain any one assessment tool which is used for assessing the current level of a child having mental retardation.

13. Discuss the various misconceptions prevailing in the society regarding mental retardation. How will you mobilize community resources for awareness ?

OR

List the objectives of NHFDC. Explain the schemes and benefits provided by Government of India for persons having mental retardation.

बी.एड. विशेष शिक्षा (बी.ई.डी.एस.ई.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2014

एम.एम.डी.ई.-033 : मानसिक मंदता वाले व्यक्तियों की
पहचान एवं मूल्यांकन

समय : 2 घंटे

अधिकतम अंक : 50

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न के अंक उनके खण्ड के
सामने दिये गए हैं।

खण्ड - I

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2x5=10

1. कुसमायोजित व्यवहार को परिभाषित कीजिए।
2. लक्ष्य एवं उद्देश्यों में क्या अंतर है?
3. मानसिक मंदता के वर्तमान शैक्षिक वर्गीकरण के विभिन्न स्तर लिखिए।
4. एफ.ए.सी.पी. के विभिन्न क्षेत्र लिखिए।
5. मार्गदर्शन व परामर्श में क्या अंतर है?

खण्ड - II

निम्न में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 5x4=20

6. गर्भावस्था के दौरान प्रयोग की जाने वाली विभिन्न चिकित्सकीय जाँच एवं निदान प्रक्रियाएँ लिखिए।

7. आंकलन को परिभाषित कीजिए। मानसिक मंदता के क्षेत्र में मनो-शैक्षिक आंकलन की भूमिका लिखिए।
8. मानसिक मंद बच्चों में पाये जाने वाले विभिन्न कुसमायोजित व्यवहारों को उदाहरण सहित लिखिए।
9. माता-पिता के सामाजिक एवं भावनात्मक प्रतिक्रियाओं को विस्तार से लिखिए, जब उन्हें पता चलता है कि उनका बच्चा मानसिक मन्द है।
10. 'राष्ट्रीय न्यास अधिनियम' द्वारा सहायता प्राप्त विभिन्न स्कीम लिखिए।
11. भारतीय पुनर्वास परिषद् के कार्य लिखिए।

खण्ड - III

निम्न प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

10x2=20

12. मानसिक मंद बच्चों के आंकलन एवं मूल्यांकन के लिए आँकड़े एकत्र करने की विभिन्न विधियों को विस्तार से लिखिए।

अथवा

एक मानसिक मन्द बच्चे का वर्तमान स्तर ज्ञात करने के लिए किसी एक आंकलन उपकरण की व्याख्या कीजिए।

13. समाज में व्याप्त मानसिक मन्दता के सम्बन्ध में गलत अवधारणाओं को लिखिए। आप जागरूकता के लिए समाज के संसाधनों को कैसे गतिमान करेंगे ?

अथवा

एन.एच.एफ.डी.सी. के उद्देश्यों को लिखिए। मानसिक मन्द व्यक्तियों को भारत सरकार द्वारा प्रदान किए जाने वाली विभिन्न योजनाओं एवं सुविधाओं के बारे में विस्तार से लिखिए।